

Search for AN-32 Aircraft

*227. SHRI ANIL DESAI: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Indian Air Force (IAF) is planning to procure all terrain vehicles for rescue operations after AN-32 crash in Arunachal Pradesh;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether AN-32 crash was accidental or some external force has caused the accident; and

(d) if so, the details thereof and action proposed to be taken to avoid such accidents in the near future?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI RAJNATH SINGH): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) The purpose of All Terrain Vehicles is for search and rescue of aircrew of Indian Air Force during ejections in aircraft accidents in sandy and marshy terrain.

(c) and (d) Every aircraft accident is analysed through a Court/Board of Inquiry and remedial measures are undertaken accordingly.

SHRI ANIL DESAI: Sir, may I know through you, from the hon. Minister how many AN-32 aircraft are still in operation and whether essential spare parts and accessories are available for its smooth operation?

श्री राजनाथ सिंह: माननीय उपसभापति महोदय, वैसे यह क्वेश्चन Air Trained Vehicle के साथ संबंधित है, AN-32 के साथ इसका अभी कोई संबंध नहीं है, लेकिन फिर भी माननीय सदस्य ने पूछा है, तो मैं इसकी जानकारी देना चाहूंगा कि लगभग 118 AN-32 विमान हमारे पास हैं। Out of 118, हमारे पास 55 AN-32 प्लेस ऐसे हैं, जिनका upgradation हो चुका है और उनमें जो airworthy हैं, यानी जो प्लेन ठीक तरीके से fly कर सकते हैं, ऐसे ही प्लेन्स को उड़ान भरने की इजाज़त दी जाती है।

श्री उपसभापति: दूसरा सवाल।

SHRI ANIL DESAI: Sir, may I know from the hon. Minister when upgradation of AN-32 agreement is in place with the supplier, whether this exercise to mitigate and prevent future losses is being undertaken or not?

श्री राजनाथ सिंह: उपसभापति महोदय, यह upgradation का काम एक regular process है। यह चलता रहता है, लेकिन मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि यह आवश्यक नहीं है कि यदि AN-32 का upgradation नहीं हुआ है, तो वह विमान fly नहीं कर सकता। यह कोई आवश्यक बात नहीं है। जो विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, उसके बारे में मैं यह बतलाना चाहूँगा कि उसका total technical life extension हो चुका था। बहुत सारे ऐसे AN-32 विमान हैं, जिनका upgradation तो नहीं हुआ है, लेकिन जिनका total technical life extension हुआ है और जिनकी air-worthiness है, यानी जो ठीक तरीके से fly कर सकते हैं। ऐसे ही विमानों को उड़ान भरने की इजाजत दी जाती है।

SHRI BHUBANESWAR KALITA: Mr. Deputy Chairman, Sir, my supplementary arises from (c) part of the question. I want to know from the hon. Minister whether the similar kind of accident took place where the Indian Air Force lost lives in that region, in that area. I would further like to know whether the report of the other probe regarding the earlier incident has been received by the Minister because the probe is done after the incident and the report of the probe comes later on. I would like to know whether the Minister has received any probe report of earlier incident.

श्री राजनाथ सिंह: उपसभापति महोदय, वैसे उस terrain में अब तक कितने AN-32 अथवा दूसरे विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं, उस सम्बन्ध में माननीय सदस्य ने जानकारी चाही है। मैं यह बतलाना चाहूँगा कि अब तक जितने भी accidents हुए हैं अथवा जितने भी crashes हुए हैं, उन सब में court of enquiry के आदेश दिये गये और विगत पाँच वर्षों के अन्दर लगभग 34 court of enquiries के आदेश दिये गये हैं, जिनमें से 27 court of enquiries complete हो चुके हैं। उससे जो भी facts findings प्राप्त होती हैं, उस आधार पर जो भी जहाँ पर error होता है और लगता है कि सुधार करने की गुंजाइश है, तो उसमें सुधार भी किया जाता है। वैसे ये विमान दुर्घटनाग्रस्त न होने पायें, इसके लिए भी कई प्रभावी कदम विगत कई वर्षों में उठाये गये हैं।

SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA: Sir, it is our concern that for the last several years, many helicopters, many air force planes crashed in Arunachal Pradesh. We lost our former Defence Minister due to the accident; we lost our former Chief Minister; we also lost leading journalist of the country.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please put your question.

SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA: I am coming to the question. We are very much concerned about these accidents, Sir. Arunachal Pradesh is a very big area. It is a hilly terrain. So, I want to know from the hon. Minister whether any special measures are being taken not only to curb such type of accidents, but also to avoid such type

of incidents in future...(Interruptions)... What steps are being taken by the Government to improve connectivity in this area?

श्री राजनाथ सिंह: उपसभापति महोदय, वैसे जितने भी precautions लिये जा सकते हैं कि flying ठीक तरीके से हो सके, किसी प्रकार का कोई accident न हो, किसी प्रकार से प्लेन का crash न होने पाये, इसके लिए तो काम किया ही जाता है, लेकिन कभी-कभी human error के कारण या कभी अन्य कारण भी होते हैं, जैसे cloudy atmosphere हुआ, उसके कारण भी दुर्घटना हो जाती है। लेकिन जैसा मैंने बतलाया कि जब भी कोई दुर्घटना होती है, तो court of enquiries के आदेश दिये जाते हैं और उसके माध्यम से फिर यह जानकारी प्राप्त हो पाती है कि कहाँ पर कोई कमी रह गयी है। तो समय-समय पर जो कमी दूर की जा सकती है, उस कमी को दूर भी किया जाता है। लेकिन अब यदि कोई यह कहे कि AN-32 ही आप वहाँ पर क्यों ले जाते हैं, दूसरे विमान आप क्यों नहीं ले जाते हैं, तो वह जो advance landing ground है, उसकी लम्बाई बहुत ही कम होती है, क्योंकि उसके दोनों तरफ पहाड़ हैं। हम उसमें बहुत ऊँची उड़ान नहीं भर सकते। वहाँ की जो hills हैं, वे लगभग 12,000, 13,000 और 14,000 फीट ऊँची हैं, लेकिन यदि हमारा प्लेन जायेगा, तो valley से ही होकर उसको गुजरना पड़ता है, उसी terrain से ही होकर उसे गुजरना पड़ता है। यदि by chance cloudy atmosphere रहा और साफ दिखाई नहीं दिया तो ऐसे में कभी दुर्घटनाएं हो जाती हैं। उसी प्रकार की यह दुर्घटना हुई है, जो बहुत ही दुखद है। लेकिन हर समय सारे precautions लिए जाते हैं। यदि माननीय सदस्य जानना चाहते हैं कि क्या-क्या precautions अब तक लिए गए हैं, यदि आपकी अनुमति हो, तो वह जानकारी मैं उन्हें दे सकता हूँ।

डा. अशोक बाजपेयी: माननीय उपसभापति जी, पिछले वर्षों में जितनी दुर्घटनाएं हुई - helicopters की या रक्षा मंत्रालय के aircrafts की - उन दुर्घटनाओं को लेकर पूरा देश चिंतित रहा। मैं जानना चाहता हूँ कि जो हमारी पुरानी fleet है, उनकी technical feasibility को re-examine करके उन्हें strengthen करने की आवश्यकता है, क्या सरकार इस दिशा में कोई विचार कर रही है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं कम-से-कम हों।

श्री राजनाथ सिंह: Indian Air Force की जो inventory होती है, उसमें नए और पुराने दोनों प्रकार के विमान होते हैं। दुनिया का कोई देश ऐसा दावा नहीं कर सकता कि हमारे पास जितने भी planes की inventory है, उसमें सभी नए विमान हैं। फिर भी, जैसा मैंने बताया कि हर बार पूरे precautions लिए जाते हैं और ऐसे planes को ही उड़ने की इजाजत दी जाती है, जो air-worthy हों या ठीक तरीके से fly कर सकें।

Setting up bio-toilets in village-panchayats in Telangana

*228. DR. BANDA PRAKASH: Will the Minister of JAL SHAKTI be pleased to state:

(a) whether Government has any proposal to set up bio-toilets in village panchayats in the State of Telangana;